



२६/१८५४

भारत का राजपत्र

The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)
PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 385]

नई दिल्ली, शक्तिवार, जुलाई 15, 1988/अष्टावृद्धि 24, 1910

No. 385]

NEW DELHI, FRIDAY, JULY 15, 1988/ASADHA 24, 1910

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

**Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation**

धर्म मंत्रालय

नई दिल्ली, 15 जून 1988

अधिकृतम्

मा.धा.मि. 787(अ),—कोथला खान विनियम, 1957 का संशोधन
करने के लिए कठिनियों का निम्नलिखित प्राप्त, जिसे केंद्रीय
सरकार, द्वान अधिनियम, 1952 (1952 का 35) की धरा 57 द्वारा ।
प्रदेश अधिकारी का प्रयोग करते हुए, बनाना चाहती है, उस अधिनियम
की धरा 59 का उद्धारा (1) का अर्थात् सार्वजनिक व्यापक व्यापक विनियम
की आनंदारी के लिए प्रतिशिन दिया जाता है, जिनके उनमें प्रमाणित
होने की संभावना है और इसके द्वारा यह सूचना दी जाती है कि उस
प्राप्ति पर इस अधिकृतम् के राजत्र में प्रकाशन की तारीख में नेत
मास की अवधि की समाप्ति पर विचार किया जाएगा ।

झिल्ही ऐसे आवेदनों वा गृहावों पर, जो दूसरे प्राप्त विनियिक प्राप्त
में एकत्र उक्त प्राप्त का आवेदन फिरी अवधि में प्राप्त होते, केंद्रीय
गवर्नर विचार करेगी ।

प्राप्त विनियम

1. इन विनियमों का मन्त्रिन नाम कोवना खान (मर्कोन) विनियम
1988 है ।

2. कोकना वा. विनियम 1952 (जिसे हमें इसके उपर उपर
विनियम का गढ़ा है) के विनियम 2 के बाइ (3) के प्रत्येक
निम्नलिखित खण्ड वर्तमान विनियम जैसा अवधि—

“(34-क) युर्द्द में ऐसा उद्घारा योग्य है जो कि वार में
कोई वा एक वर्षों या कोटीरा ग्रन्थियाँ उसे के विनियम का
है या दिया जा रहा है” ।

3. उस विनियमों वे विनियम 11 के उल्लेखम (10) के उक्त
निम्नलिखित प्रबन्ध अवधि के जैसा अवधि, अर्था—

“उक्त अदि विनियम वैदेश में यथायुक्ति के गम्भीर तरी है तो
वैदेश यथा ही तो विनियम का वायव की या यह उस विनियम
गाँधीजनिक छुट्टी है तो अपने कारे विनियम के लिए यथा। ही
आपनी और स्थान वैदेश के लिए मात्र, स्थान वौरा कार्यवृत्ती
प्राप्ति वैदेशी नहीं। ऐसी वैदेश में, इस वाल का विचार में वाण
विचार तो उसमें ही है सम्पूर्ण हानिर तो काम का विवाह विधि
पूर्ण होगा” ।

४. उक्त विनियमों के विनियम १३ में—

(i) उपविनियम (२) के स्थान पर निम्नलिखित विनियम रखा जाएगा, अर्थात्—

"(३२) प्रबन्धक, संबंधक, ओवरसैन या सदाचार के प्रमाण-पत्र हेतु किसी परीक्षा के लिए किसी व्यक्ति को कहत तक प्रवेश नहीं दिया जाएगा जब तक कि उक्त किसी मान्यताशाली विवशियालय की मेट्रिक्युलेशन परीक्षा या उसके समतुल्य परीक्षा उत्तोलन न कर नी हो, और इंजन चालक या विस्फोटकर्ता के प्रमाणपत्र हेतु जब तक वह बोईं वा यह समाधान न कर दे कि वह पटा लिया है।"

परन्तु इस उपविनियम की किसी भाँति के बारे में यह नहीं समझा जाएगा कि उसने उम्मीदवाकों उपविनियम के उपबन्धों का समाधान न करने पर १ जनवरी, १९८९ की या उससे पूर्व सरदार के प्रमाणपत्र के लिए किसी परीक्षा में बैठने से विवक्षित ३२ दिन ही पर्यावरण पहले ही उक्त प्रमाणपत्र के लिए किसी धर्मशास्त्र में प्रवेश दा चाहा था।

(ii) उपविनियम (२क) का लोप किया जाएगा।

५. उक्त विनियमों के विनियम २० के स्थान पर निम्नलिखित विनियम रखा जाएगा, अर्थात्—

"२०. प्रमाणपत्र देने के लिए कांस—

(१) प्रमाणपत्र देने के लिए प्रत्येक आवेदन की वावना की अवधि निम्नलिखित मान के अनुसार दी जाएगी—

(क) प्रथम वर्ग प्रबन्धक के प्रमाण पत्र की दशा में	१०० रु.
(ख) द्वितीय वर्ग प्रबन्धक के प्रमाणपत्र की दशा में	५० रु.
(ग) संबंधक के प्रमाणपत्र की दशा में	५० रु.
(घ) ओवरसैन के प्रमाणपत्र की दशा में	५० रु.
(इ) सरदार के प्रमाणपत्र की दशा में	३० रु.
(च) प्रथम वर्ग इंजन चालक के प्रमाणपत्र की दशा में	३० रु.

(छ) द्वितीय वर्ग इंजन चालक के प्रमाणपत्र की दशा में

(ज) विस्फोटकर्ता के प्रमाणपत्र की दशा में

(झ) गैस परीक्षण प्रमाणपत्र की दशा में

(ट) सेंध पैकेजर के प्रमाणपत्र की दशा में

(२) मुख्य निरीक्षक, उपविनियम (१) के ग्राहीन संदर्भ फौज के प्रतिशाय की अनुमा दे सकेगा जहाँ अस्वीकृती की प्रमाणपत्र देने के लिए परीक्षा के पूर्व सूत्र हों गई है या जहाँ फौज का गलनी से संशय कर दिया गया है।

(३) यथापूर्वीकृत के विवाय, किसी प्रमाणपत्र को देने के लिए मद्दत फौज प्रतिवेद नहीं है।"

६. उक्त विनियमों के विनियम २५ का लोप किया जाएगा।

७. उक्त विनियमों के विनियम २६ में—

(१) "ओवरसैन, सरदार, इंजन चालक, विस्फोटकर्ता, गैस परीक्षण या सेंध चैकर के प्रमाणपत्र का निलम्बन" शब्दों, जो पार्श्वशीर्ष में आए हैं, के स्थान पर "प्रबन्धक, संबंधक के प्रमाणपत्र का निलम्बन" शब्द रखे जाएंगे।

(२) "ओवरसैन, सरदार, इंजन चालक, विस्फोटकर्ता, गैस परीक्षण या सेंध चैकर के प्रमाणपत्र का धारक" शब्दों जो उपविनियम (१) में आए हैं, के स्थान पर "प्रबन्धक संबंधक का प्रमाणपत्र या धारक" शब्द रखे जाएंगे।

८. उक्त विनियमों के विनियम ३१ ग. उपविनियम (२) के पूर्व उत्तरुग और "या विनियम ११२ का" शब्दों जो उपविनियम (३) में आए हैं, का लोप किया जाएगा।

९. उक्त विनियमों के विनियम ३२ के पश्चात् निम्नलिखित विनियम अन्तःस्थापित किया जाएगा, अर्थात्—

"३२ क. भवतत अधिकारी की अहंताएं और नियुक्ति हर अन में जहाँ पहली छिपी का गैमीय संस्तर है जिसका औमत उत्पादन ५००० टन से अधिक है या इसमे अधिक तीसरी छिपी पर औमत उत्पादन २५०० टन से अधिक है वहा खात के पर्यावरण कार्य में संबंधित प्रणाली के अनुरक्षण में प्रबन्धक की सहायता 'इन विनियमों के उपबन्धों के अनुसार किसी संबंधत अधिकारी द्वारा दी जाएगी। वह ऐसा अधिक दीया जो निम्नलिखित अहंताएं रखता हो।—

(क) किसी ऐसी खात की दशा में जिसमें पहली छिपी का गैमीय संस्तर है और जिसका औमत उत्पादन १५,००० टन से अधिक है या किसी ऐसी खात की दशा में जिसमें दूसरी या तीसरी छिपी का गैमीय संस्तर है और जिसका औमत उत्पादन १०,००० टन से अधिक है, प्रबन्धक का प्रमाणपत्र और

(ख) प्रत्येक अन्य मामले में, किसी प्रबन्धक का प्रमाणपत्र या विनियम १६ के उपविनियम (१) के परन्तुग के प्रयोगत के लिए अतुर्सीदित अन्य या बनत इंजीनियरी में कोई छिपी, छिप्तीमा या प्रमाणपत्र।

परन्तु जहाँ विशेष जर्ने विशेषत है, वहाँ प्रादेशिक निरीक्षक, निम्नलिखित आदेश द्वारा और उन शर्तों के अधीन जो वह उसमें विशिष्ट नहें, इन उपबन्धों के फोरार भैंस के किसी संबंधित अधिकारी की नियुक्ति यी अनुमात या अपेक्षित कर सकेगा या संबंधित अधिकारी यी सहायता के लिए उक्त अधिकारी को नियुक्ति प्रयोगित कर सकेगा जिन्हें अवैध में विशिष्ट किए जाएँ।

परन्तु यह और कि किसी ऐसी खात की दशा में जिसमें पहली छिपी की कोई गैमीय संस्तर है और जिसका औमत उत्पादन १५,००० टन से कम है, प्रादेशिक निरीक्षक, उसमें सकिया की प्रकृति और विस्तार पर विचार करते हुए लिखित आदेश द्वारा और उन शर्तों के अधीन, जो वह उसमें विशिष्ट कर, विनियम ३१-के अधीन नियुक्त संबंधित अधिकारी के पद को मृदकां अधिकारी के पद के माय मिलाने के लिए प्रत्याज्ञान कर सकेगा।

१०. उक्त विनियमों के विनियम ३४ के उपविनियम (१) के पश्चात् निम्नलिखित उपविनियम अन्तःस्थापित किया जाएगा, अर्थात्—

"(१-क) उपविनियम (१) के अधीन किसी ओवरसैन को मौर्खी गई खात या जिस वैमे आकार का नहीं होगा और न ही इन विनियमों के अधीन उक्तके कर्तव्यों से भिन्न कोई अतिक्रम वर्तन्य ऐसा होगा विनियमों के अधीन उसको विनियम कर्तव्यों के टीक ठग से निर्वहन में रक्कावट संभाय हो और यदि पूर्वगामी वर्तन्यों के संबंध में सदैह उत्पादन होना है तो उसे मृदक नियिकरण को विनियनके लिए विशिष्ट किया जाएगा।"

11. उक्त विनियमों के विनियम 41 के उपविनियम (8) के अंत में, “और ऐसी प्रत्येक प्रविष्टि की एक प्रति रेखाक की एक प्रति के साथ दुष्टना के सात दिन के भीतर प्रादेशिक निरीक्षक को प्रस्तुत की जाएगी” शब्द अंतःस्थापित किए जाएंगे।

12. उक्त विनियमों के विनियम 41क के उपविनियम (1) में, “यदि” शब्द के स्थान पर “किसी आपातकाल में के सिवाय, और विनियिष्ट कर्तव्यों से बिना कोई कर्तव्य सुरक्षा अधिकारी को नहीं सौंपे जाएंगे और जहाँ कहीं” शब्द रखे जाएंगे।

13. उक्त विनियमों के विनियम 42क के उपविनियम (2) में, “यदि” शब्द के स्थान पर “किसी आपातकाल के सिवाय ऊर विनियिष्ट कर्तव्यों से बिना कर्तव्य संवाचन अधिकारी को नहीं सौंपे जाएंगे जहाँ कहीं” शब्द रखे जाएंगे।

14. उक्त विनियमों के विनियम 43 के उपविनियम (8) के खण्ड (ख) में निम्नलिखित स्पष्टीकरण अंतःस्थापित किया जाएगा, अर्थात्:—
“स्पष्टीकरण—उक्त विनियम के प्रयोजन के लिए, “न्यायोचित कारण” केवल इस विनियम में प्रयोगित कर्तव्यों से संबंधित होगा।”

15. उक्त विनियमों के विनियम 100 में—

(1) उपविनियम (1) में “मुख्य निरीक्षक” शब्दों के स्थान पर “प्रादेशिक निरीक्षक” शब्द रखे जाएंगे।

(2) उपविनियम (4) का लोप किया जाएगा।

(iii) उपविनियम (5) में, “उस छत का यथासंभव कम से कम क्षेत्र जो ढहने से बच गई हो” शब्दों के पश्चात् “किसी वायुविस्कोटक या खंडों पर आरडालने से उत्पन्न खतरे का सम्यक् रूप से ध्यान रखते हुए” शब्द अंतः स्थापित किए जाएंगे।

16. उक्त विनियमों के विनियम 103 के में—

(क) उपविनियम (1) में ‘विद्यमान’ परन्तुक के पश्चात् निम्नलिखित परन्तुक अंतःस्थापित किया जाएगा, अर्थात्:—

“परन्तु यह और कि रजिस्टर में की गई किसी प्रविष्टि या उसमें किसी प्रविष्टि न किया जाने से यथा पूर्वोक्त परन्तुक के अनुसरण से संतुलना दिए जाने या न दिए जाने से अधिनियम या विनियम, नियम उपविधियों या उसके अधीन किए गए आदेशों के अधीन किसी व्यक्ति के कर्तव्य और वाध्यताएं किसी प्रकार सीमित नहीं होगी।”

(ख) उपविनियम (2) के स्थान पर निम्नलिखित उपविनियम रखा जाएगा, अर्थात्:—

“(2) जब रजिस्टर में कोई प्रविष्टि की जाती है तो:—

(क) तब प्रत्येक स्वामी, अनिकारी, प्रबन्धक को यह जानकारी होना समझा जाएगा कि उस प्रविष्टि में क्या अंतर्विष्ट है; और

(ख) उसकी एक प्रति ऐसी प्रविष्टि के तीन दिन के भीतर खान के सूचनापट पर पंडह दिन से अन्यून अवधि के लिए संप्रदायित की जाएगी।”

(ग) उपविनियम (3) के पश्चात् निम्नलिखित उपविनियम अंतः स्थापित किया जाएगा, अर्थात्:—

“(4) -रजिस्टर:—

(क) खान कार्यालय में अंतिम प्रविष्टि किए जाने के पश्चात् कम से कम तीन दर्घी की अवधि के लिए निरीक्षण के लिए उत्तरव्य रखा जाएगा, और

(ख) प्रादेशिक निरीक्षक द्वारा या उसकी लिखित मंजूरी के सिवाय पूर्वोक्त अवधि की समाप्ति से पूर्व हटाया नहीं जाएगा।

17. उक्त विनियमों के विनियम 103 में—

(i) उपविनियम (i) के खण्ड (ख) के पश्चात् निम्नलिखित खण्ड अंतःस्थापित किया जाएगा, अर्थात्:—

“(ख) पार्श्व के 10 मीटर के भीतर प्रत्येक विकास संक्रिया और सड़क मार्ग का प्रत्येक जंक्शन किसी विशेष पार्श्व के तुरन्त बाहर होगी।

(ii) उपविनियम (2) और उपविनियम (3) के स्थान पर निम्नलिखित उपविनियम रखे जाएंगे, अर्थात्:—

(2) प्रत्येक ऐसी खत का प्रबन्धन, जिसमें भूमि के नीचे संक्रियाएं हो रही है, उपविनियम (1) के विनियिष्ट किसी संक्रिया के प्रारम्भ से पूर्व और तब भी जब प्रादेशिक निरीक्षक द्वारा अनेक व्यावर्कीय गुण स्थानीय भूवैज्ञानिक दशाओं, कार्य और धर्मोकरण की प्रणाली और पूर्व अनुभव का सम्यक् रूप से ध्यान रखते हुए विस्तरा करेगा, और ऐसे व्यवस्थित आलंबन नियमों को प्रयुक्त करेगा जिसमें प्रत्येक संक्रिया के संबंध में आलंबन के प्रकार और निम्नें तथा उनके बीच अन्तर्गत राल विनियिष्ट किया गया हो।

(i) सड़क पर्यायों पर, जिनके अन्तर्गत ऐसे स्थान भी हैं जहाँ स्थानीय का उपयोग कठाई, संवहन या लदाई के लिए किया जाता है, आलंबन।

(ii) प्राप्त (छावाधार) की प्रत्येक पंक्ति छत बोल्ट या अन्य आलंबन।

(iii) प्राप्त की पार्श्वस्थ पंक्तियां, छत बोल्ट या अन्य आलंबन।

(iv) आलंबों की अंतिम पंक्ति और असुधा;

(v) इवालित मेंख और विद्युत आलंबन; और

(vi) पैक और आमुख।

परन्तु, किसी ऐसी खान की बाबत जहाँ विकास संक्रियाएं पहले से चल रही हैं, वहाँ उपविनियम (1) के खण्ड (ग) में विनियिष्ट संक्रिया स्थल के संबंध में आलंबन नियम, इस विनियम के प्रवृत्त होने की तारीख के 15 दिन के भीतर विरचित और प्रवृत्त किए जाएंगे।

(3) प्रबन्धक उपविनियम (2) में विनियिष्ट किसी संक्रिया के प्रारम्भ से कम से कम 30 दिन पूर्व और उसके परन्तुक के अधीन रहते हुए व्यवस्थित काठडार्य नियमों की एक प्रति प्रादेशिक निरीक्षक को प्रस्तुत करेगा जो किसी भी समय, लिखित आदेश द्वारा नियमों में ऐसे उपांतरों की अवेक्षा कर सकेगा जो वह उनमें विनियिष्ट करे।

(ii) “यापूर्वोक्त विरचित और अनुमोदित” और “अन्य” शब्दों का जो उपविनियम (4) में आए हैं, लोप किया जाएगा।

(iv) उपविनियम (5) के पश्चात् निम्नलिखित विनियम अंतः स्थापित किया जाएगा, अर्थात्:—

“(6) प्रबन्धक निम्नलिखित विनियिष्ट करते हुए स्थायी प्रादेशिक की कोई संहितां बनाएगा और कार्यान्वयित करेगा:—

(क) उपयुक्त सामग्री, यथोचित शक्ति और पर्याप्त सात्रा में आलंबन के उपायन और प्रकाश के लिए प्रणाली और संगठन जहाँ वे सुकर रूप में उपयोग के लिए उत्तरव्य हैं।

(ख) ट्रैडिंग की पद्धति जिसमें अन्तर्गत खोलना और सम्बन्ध भी है, जहाँ आवश्यक हो, और उत्तरह से आमुख तक और आनुख रेखा से उनके नए स्थलों तक आलंबों का परिवहन;

(३) अनुग्रहण के लिए प्रणाली और मंगलन और आलंबों की जात्रा, उन दौरान किन रोंगों की दरेसी कारण, आलंबों का परिनियमित परिवर्तन पुस्तकों द्वारा विश्वापित आलंबो का जिसके परिवर्तन भवित्वित आजार भी है पुस्तकोंमें दरना।

(४) फिरी विनियम आलंबों की इन्होंने से अनुपस्थित रहने की दराने पर लगाया जाने के लिए नवाय वर्तितों का फैला, और-

(५) नदी भवित्व आलंबों द्वारा लदानेमत्ता, ट्रैक, कालंब, बिस्तोंका, गर्वार, ओवरमैन और महायात्रा आलंबों को विविधत आलंब लिमिटों से जीते जाएं की प्रदूषि में त्रिकाल त्रुटि विनियम प्रयोग बहिन द्वारा विनादमें किया जाए, पूर्ण का में अवधारण करने की चेति।

18. उत्तर विनियमों के विनियम 109 के रूप में पर विनादमें विनियम रखा जाएगा, अर्थात्:-

"109. आलंब लगाया (१) (क) प्रत्येक छावधार सुरक्षित रूप में और गुदूक नींव पर लगाई जाएगी, और छत से कगड़हर रखी जाएगी।

(ए) जहाँ कोई आलंब वाला या अन्य अदृश्य सामग्री पर लगाया गया है, तदों ५ मेट्रीमीटर से अन्तर मोटाई २५ मेट्रीमीटर चॉइट और ०.७५ मीटर लम्बाई के लिए गार्ड-आलंब वाले ट्रक्से का उपयोग किया जाएगा।

(ग) आलंब पर उपयुक्त छवकन की चॉइट आवधार के अधीन से धूलून, मोटाई, ८ मेट्रीमीटर से अन्यत और लंबाई ०.५ मीटर से अधिक होगी।

(१) किसी स्थानपर की छत को आलंब बेसे के लिए लगाई गई प्रत्येक छह, खड़ा पथ के किनारों पर या, मढ़क पथ के किनारों में कम से कम ०.५ मीटर गहरे बनाए गए छिट्ठों सुरक्षित रूप से जड़ी हुई छावधार पर या कार्रा पर या उपयुक्त डिजाइन तथा पर्याप्त मजबूत इस्पात की कनेपों पर सुरक्षित रूप से लगाई जाएगी और छत में कम कर रखी जाएगी। जहाँ लैगिंग आवंश्यक हो, वहाँ लैगिंग या संलग्न प्रत्येक छह की प्रत्येक मीटर लंबाई के लिए एक से कम नहीं होनी चाही तैयार की छत में कठकर रखा जाएगा।

(३) (ग) आलंब के रूप में प्रयुक्त प्रत्येक काल गुरुत्वित होगा; और वास्तविक फर्ण पर या सुरक्षित नींव पर लगा होना तथा छत से यथानियन्द लिन्ड रखने का, कर कर बनाए रखा जाएगा।

(स) काल के अंशों के रूप में केवल प्राप्तमात्रा ट्रक्सों का ही उपयोग नियम जाएगा, तथापि काल की इस में दो अन्यत सामग्री के किनारों को जोड़ना ही पर्याप्त होगा।

(ग) काल के अलै १, २ मीटर से अन्यत लंबाई के नहीं होगा।

(प) कालों को किसी डिपिलिरिंग लेवर में काम परिनियमित करने से पूर्ण छावधारों का प्रत्येक कार्रा के किनारे पर परिनियमित किया जाएगा।

(४) अब द्वितीय भौतिक स्तर में आलंब आवधार और कार्रा हृष्ट प्रकार लगाए जाएंगे कि स्तर के सुधार या गड़क पथ तथा गवाय आवंश्यक मति तथा दान रखने हुए अधिकतम प्राप्त गुरुत्वित किया जाएगा।

(५) छत में प्रत्येक कठक और प्रत्येक प्रमुख त्रावर या स्कलन, कम भै कठक की एक ओरों गो उपयुक्त रूप में गोलियां दाएँ और छहों से आलंबित रखी जाएंगी।

(६) ऊपर लटके हुए पारवों की नीचे की ओर दरेसी की जाएगी ; जहाँ यह साइड न हो, वहाँ यह छावधार या आलंब के अन्य उपयुक्त साधन एक मीटर से अनुपरिवर्तन अनुग्रहों पर परिनियमित किया जाएगी।

(७) जहाँ आलंब या अन्य सामग्री जर्नी हुई है या आलंब के प्रयोगन के लिए कोई ऐसी बगाना करा है, वहाँ उसे ऐसे किना जाएगा या छत में उसके मंजुर ऑफ में दवामाई रूप में करा जाएगा।

(८) (क) छत और पार्श्व तथा आलंबों का प्राय. यथावधारक परिवर्तन किया जाएगा; और उसके विवाय जहाँ यह आलंब के प्रयोगजनों के लिए आवधार न हो, कोई आलंब किसी संविधा में ढीला हो गया हो, दूट गया हो या अव्यवस्थित हो गया हो यह छत पर कम से कम विलेब से विशिष्टतया हिसो आवधार के प्रत्यावधारकों को गुजरने की अनुमति देने या कार्य पर आवग आने से पूर्ण कमा, बदला या अवैक्षणिक किया जाएगा, जहाँ तब कोयना या छत कोवला लिया गया है वहाँ लगुतर छावधार के स्थान पर दीर्घतर छावधार लगाए जाएंगे।

(ब) ऐसे प्रत्येक इथान में जिसमें छत कोयता लिया गया है या छत या पार्श्व गिर गए है तो गिरे हुए कोयते की या उसके किसी भाग को साफ करने का कार्य किया जाएगा और सही किसी व्यक्ति को गुजरने की अनुमति दी जाएगी जब तक कि नई बुनी छत या पारवों की परीका नहीं कर ली जाती है और यदि आवधारक हो सो, अस्थाई आलंब द्वारा सुरक्षा प्रश्न नहीं कर दी जाती है।

(९) उत्तरियम (८) में किसी बात के होते हुए भी, किसी मरदार या बोर्वर्मेन के पर्यवेक्षण के अधीन अनुनतम संस्था में उतने व्यक्ति लगाया जाएगे जो वहाँ छत और पारवों की सुरक्षा के लिए आवधारक हो।

(१०) जहाँ छत बोल्टों का आलंब के रूप में उत्तराय किया जाता है, वहाँ बोन्ट स्थान में सुरक्षित रूप से लगाया जायेगा।

(११) (क) विद्युत आलंब, द्रवकालिक छावधार या संपर्क स्लें, कंपेला के किसी जाल को पार्श्व से उतार किए जाने के पर्याप्त यथा जल्य माई अप्रगत किया जाएगा ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि बिना आलंब की तत्त्वीनतम बुनी उत्तरो अनुनतम रूपा गया है।

(घ) विद्युत आलंब, द्रवकालिक मेल और छावधार तथा घरेग आवधार सुरक्षित स्लैट में लगाए जाएंगे और समय समय पर जात्र की जाएगी। यदि किसी विद्युत आलंब या द्रवकालिक मेल की कुटि का पार्श्व चलता है तो उस की यथावधार यीज्ज देखभाल की जाएगी और तत्व तक के लिए उस स्थान पर छत में पारम्परिक आलंब प्रसारी ढाँ से लगाए जाएंगे। किसी कुटिपूर्ण द्रवकालिक या घरेग आवधार को तुरन बदला जाएगा।

(ग) जहाँ छत, आगत या पारवों में किसी अनियमितान के कारण या किसी अस्थ नारंग से कोई विद्युत आलंब या द्रवकालिक मेल प्राप्त की जाती है, वहाँ पारंपरिक आलंबों का प्रयोग माला में उत्तराय किया जाएगा।

(घ) किसी भी कारण में संबहक के मामुख पार्श्व पर गुजरने या कार्य करने में व्यतियां के लिए किसी भी रूपय यह आवधारक हो जाएगा तो किसी मामुख संवाल के मामुख फार्ले पर छा और पारवों के घारेप के लिए अतिवित आलंबों का परिनियमित भी किया जाएगा।

१९. इस विनियमों के विनियम ११० के स्थान पर निम्नलिखित विनियम रखा जाएगा, अवैतुः—

“आपकों का हटाया जाना—

(१) जब कभी आलंबों को हटाया जाना हो तो वे उम पद्धति के हटाए जाएंगे यिसे प्रबन्धकों के स्थानीय आदेशों में विनियिष्ट किया जाएगा। स्थानीय आदेश के अन्तर्गत निम्नलिखित होगा—

(क) समुचित औजारों का प्रदाय और उपर्याप्तता सुरक्षा उपाय।

(ख) ऐसी छत के त्रिस्तें आलंब हटाए जाएं रहे हैं उन्हें को रोकने के लिए अनियिष्ट आलंबों का लगाया जाना;

(ग) आलंबों को हटाने का क्रम; उसके लियाँ लाइवर की आवाहार की हड्डी से पूर्व किसी भाग को हटाना;

(घ) संकेत में लगे व्यक्तियों की सुरक्षित स्थिति;

(ङ) ऐसे मशम व्यक्तियों का प्रशिक्षण जिन्हें नियमों में पौरी गई है; और

(च) आलंब हटाने के दोरान पर्यवेक्षण।

(२) विधुत आलंबों की बांध में, हटाए जाने को संकेताओं के दोरान आमुख रखा के आलंबों की पद्धति आदेश में विनियिष्ट की जाएगी।”

२०. उक्त विनियमों के विनियम ११५ के,—

(i) उपर्याप्ति (१) में “स्तरम् निकर्षण” शब्दों के स्थान पर, जो खण्ड (क) और (ग) में आते हैं, “कोयला निकर्षण” शब्द रखे जाएंगे।

(ii) उपर्याप्ति (३) में “गोण्ड थेल” शब्दों के स्थान पर जो खण्ड (ग) में आते हैं, “गोएवडे थेल और अनुपमुक्त आन” शब्द रखे जाएंगे।

(iii) उपर्याप्ति (४) के पर्युक्त का नोंच किया जाएगा।

२१. उक्त विनियमों के विनियम ११९ के स्थान पर निम्नलिखित विनियम रखा जाएगा अवैतुः—

(१) जब किसी व्यक्ति भी भूमि या किसी अन्य चिह्न का पता चले, तिससे स्वतः उपर्याप्ति होना हो, या आग लगने का पता चले जो भूमि पर जोगाया निकर्षण या किसी कार्यस्त निवृत्त आन में या अनियिष्ट आन के किसी भाग में लग गई है, वह व्यक्ति उसके बारे में अपने उच्चनंद प्रशिक्षितों को घुचना देगा।

(२) किसी निवृत्त आन में या कोयला निकर्षण द्वारा दुई भूमि पर या भूमिगत आन के किसी भाग में, कोई ऐसा चिह्न जो यह उपर्याप्ति करे कि आग लग गई है या लग सकती है या स्वतः तपत हो गया है या हो सकता है, प्रकट होने पर—

(क) उन व्यक्तियों से भिन्न किसी उपर्याप्ति आग या तपत से निपटने के लिए आवश्यक समझी जाए सभी व्यक्तियों को सुरक्षा आन में या भूमिगत आन से या भरानल के ऐसे भाग से जहां उन्हें आग, भूमि या आहर निकानी तपत सामग्री से घनता हो गकता है, तुरन्त हटा दिए जाएंगे।

(ख) आग या तपत सामग्री को बुझाने और दबाने के लिए या आग या तपत का नियमित करने और मुहूर बन्द करने या भलग करने उसकी किसी भी रोकने के लिए अवश्यक समझी जाएगी और

(ग) भूमि के नीचे आग लगने या तपत की दशा में, विनियम १९९ के अधीन सेवार की गई योजना तुरन्त लागू की जाएगी।

(३) उन संपूर्ण व्यवधि के दौरान जब आग या तपत के संबंध में कार्रवाई करने या बदल करने या गमालान करने या आग लगने का कार्य चल रहा हो तो—

(क) कोई सबसे अर्धकृत स्थल पर हर समय उपर्याप्त रहेगा;

(ख) किसी ऊर्जाकर पदार्थ, न्यूमरोज़ों या प्रशंसित संशोधन गैसों, ज्वाला, भाव गिराई गई या कैंसे गई रात्र और समयों, जब गैस 'के विस्कोट और विद्विता में विभिन्न वालों या बन्द गणकों और आग लगने के लिए में हो सकते हैं, से व्यक्तियों को होने वाले स्वतंत्रों को रोकने के लिए पर्याप्त पूर्वाविज्ञानिया बगीची जाएंगी।

(ग) जब भागी संघीतरी का सहायता में प्राप्त या तपत में संवर्धित काम करने समय बढ़ेदाल्दा स्थिरता के प्रमाणित क्षेत्रों में किसी मंपरीक्षित, या पान भार वाली किसी केव या निसी अन्य उपर्युक्त साधन का उपयोग किया जाएगा और शान या जड़ों विनियम अन्वयिष्ट होता संविधय हो किसी भेद में उपर्युक्त किया जा रहा हो तो नियिष्ट भूमि पर चलाए जा रहे उपर्युक्त के अधिकार में कर्त्ता रेखा या कर्त्ता अपर्याप्त का उपयोग किया जाएगा। आग के संबंध में उपर्युक्त प्रथ्येक उपर्युक्त में तार के प्रभाव की उचित गुणात्मक रखा जाएगी।

(घ) भूमिगत आग या तपत का दशा में,

(i) आग या तपत स्थल तक नियंत्रण, गृहुष सड़क, मर्ट्ट्यु का अदाय भूल या आग के फेनेने को रोकने के लिए डिजाइन की गई किसी अन्दर रीति में अभियोगन किया जाएगा।

(ii) समर्थ पर या उसके निकट पर्याप्त संख्या में स्वेच्छाप्रकार की अवधि, जो उपर्युक्त पर्याप्ति से युक्त पिंजर कार्बन भूमिगत साइडलैंग के पता लगाने के मुख्य निरीक्षक द्वारा अनुमोदित अथवा साधन और एक लौ वाली सुरक्षा लैप या आर्किटेक्चरल साइडलैंग गैस का पता लगाने के मुख्य निरीक्षक द्वारा अनुमोदित अथवा साधन आयात में उपर्योग के लिए उपर्युक्त रखे जाएंगे।

(४)(क) उन व्यक्तियों से भिन्न किसी व्यक्ति को जिनकी अपेक्षा आग या तपत के संबंध में कार्रवाई लगाने के लिए या उसका मंत्र वर्त लगाने के लिए या उसको विनियमित करने के लिए की जानी है, विवृत आन नियिष्ट या भूमि के नीचे आन में या आग के समीक्ष्य सतही लेने के किसी भाग पर तब तक पुनः प्रयोग नहीं करने दिया जाएगा जब तक प्राप्त या तपत प्रभावी रूप से बुझा न थी गई हो या उसका मंत्र बदल न कर दिया गया हो या अन्यथा प्रभावी रूप से नियमित नहीं हो जाती और प्रबन्धक, प्रबन्धक प्रबन्धक द्वारा परीक्षा नहीं कर ली जाती और आन सुरक्षित घोषित नहीं कर ली जाती। ऐसी हर परीक्षा की रिपोर्ट इव प्रयोजन के लिए रखी गई विनियम वृत्तिशंखित तुस्तक में अभियोगन की जाएगी और परीक्षा करने वाले व्यक्ति द्वारा उस पर हस्ताक्षर करके तारीख दाली जाएगी।

उपर्युक्त प्रावेशिक निरीक्षक, विनियमित प्रावेश द्वारा, और उन गैसों के अधीन रहने हुए जो कह उसमें विनियिष्ट करे जनमें भिन्न व्यक्तियों का, जिनकी आग या तपत के संबंध में कार्रवाई करने की अपेक्षा वी जाती है, विवृत आन संक्रिया या भूमि के नीचे आन के किसी भाग में लियोग्न अनुज्ञान कर लेंगे।

(ख) खण्ड (क) द्वारा अनेक पर्याप्ति, किसी लौ वाली वाले अनुमोदित प्रयोजन लै। (ख) उपर्युक्त पर्याप्ति के गैस पिंजर या भूमि विनियमित द्वारा आयोगित कार्बन गोलोफसाइड गैस का पता लगाने के अथवा साधनों की द्वारायत से वी जाएगी।

(5) प्रत्येक बाल का प्रबन्धक, जिसी तान या आग के निवारण, पला संग्रह, कार्रवाई करने और नियंत्रण के लिए, आग या पलन को नियंत्रित या बिनशाप करने के लिए और उन सकियों में लगे अवक्षयों की मुरझा को मुनिशिव रखने के लिए उपयुक्त अविनियम प्रबन्धों की अवस्था करने और उनके अनुरक्षण के लिए एक विस्तृत सीम संचार करेगा और स्थानों को रखा, सीम परिस्थितियों के अनुसार उपयुक्त स्थान से उपांतरित की जाएगी और अद्यतन रखी जाएगी।

(6) जहाँ उपविनियम (2) के खंड (ब) के उपबन्धों का किसी बाल या उसके भाग में अनुपालन नहीं हुआ है, या जड़ी प्रादेशिक निरीक्षक की राय में ऐसे उठाए गए कदम अवश्यिल हैं, वहाँ वह सचाई, अविकर्ता या प्रबन्धक को लिखित में सूचना दे सकेगा जिसमें वह उसमें यह अपेक्षा करेगा कि वह ऐसे सुरक्षात्मक उपाय ऐसे समय के भीतर करे जो वह उत्तम विनियिक करें। सूचना की अवेक्षाओं के अनुपालन न होने की दशा में, प्रादेशिक निरीक्षक, लिखित प्रादेश द्वारा, बाल या उसके भाग में किसी ऐसे व्यक्ति का नियोजन, जिसका नियोजन पूर्वोक्त अवेक्षाओं के अनुपालन में आवश्यक न हो, जब तक सूचना की अवेक्षाओं का अनुपालन नहीं हो जाए, प्रतिविद्ध कर रक्खेगा।"

22 उक्त विनियमों के विनियम 120 के स्थान पर निम्नलिखित विनियम रखा जाएगा, अवधि:-

"अविनियमक उपस्कर और संगठन:

(1) प्रत्येक विवृत बाल या भूमि के नीचे बाल में--

(क) जब तक कि प्रादेशिक निरीक्षक द्वारा स्पष्टतया लिखित में छूट न दे दी गई हो, पूर्ण स्वयं से व्याविक संनियां जल प्रनाल और उन पर 100 मीटर से अनधिक की दूरी पर पर्याप्त संक्षेप में टॉटियाँ लगाई जाएँगी और जो सभी कार्य स्थलों, में और आग की जोखी बाले अवस्था स्थलों पर जिसके अनुरूप कोलों संडार, कार्बनेयुक्त सामग्री बाली फालू त्रिहों के द्वेष तथा उत्तर फले बाली कोयला प्रमाण सतह अद्यि भी है, जो प्राप्ती अविनियम के प्रयोजन के लिए पर्याप्त दाव पर जल की पर्याप्ती भाला का प्रदाय कर सकें, की अवस्था की जाएगी और उसे बनाए रखा जाएगा। 60 मीटर, से अन्यून संबाई के होंगे पाइप, आवश्यक सामग्रीकूल फिल्टरों के साथ उपयुक्त स्थानों पर आसानी से उपनियन रखे जाएँगे;

(ख) अविनियमक उपस्करों को उपयुक्त प्रदाय के साथ अविनियम के केन्द्रों का स्थानों की जाएगा और बरातल पर और भूमि के नीचे दोनों में पर मुखियाजनक स्थानों में अनुरक्षित बनाए रखे जाएंगे; और

(ग) बालू या अदाहा धून या बहर्नाय अविनियमों की निम्नलिखित में अवस्था की जाएगी--

(i) किसी बाल के प्रत्येक प्रवेश स्थान और उपयोग में आने वाली प्रत्येक अवतरण और रीफर तली पर;

(ii) ऐसे प्रत्येक स्थान पर जहाँ काढ़, भूज, तेल या अन्य अवलनशील सामग्री मूल्यित है;

(iii) प्रत्येक इंजन कक्ष, विशुद्धि ग्रंथर, मड़ा मार्ग वाहन युनिट और अनुरक्षण कार्यसाला और भरण केन्द्र, संचयन बेटी आवेषण केन्द्र;

(iv) प्रत्येक कोयला प्राप्त करने की मशीन और शीर्षण मशीन, परन्तु जहाँ वर्षण उवलनशीलता का जोखिम अधिक है, बहु ऐसी मशीनों से युक्त अविनियमों की अवक्षका नीचे जाएगी जो स्वचालित हो, और

(v) आग की जोखिम यहों से यह विशेष शायद पर या प्रवेशक द्वारा विनियिष्ट किए जाएं।

(घ) जल प्रगाल, टोटियों, अविनियम केन्द्र, पंप केन्द्र, संचालन प्रगाली बचत मार्गी अद्यि को दर्शित करने हैं, अद्यतन अविनियम अवेद्य बनाए रखा जाएगा, और उपकी पूर्ण प्रविनियम की भूमि के नीचे बाल में सूगम स्थानों में लगाई जाएगी। परविनियम संबंध में दृष्टियों को, अविनियमों के उपयोग और अविनियम सेवा में भी प्रतिविद्ध किया जाएगा। ऐसे तभी दृष्टियों को उन सभी अविनियम उपकरणों की विधियों के बारे में जान करना जाएगा जिनकी बाल में अवस्था की नई है।

(ज) गोडाएंसिड प्रकार के अविनियम का पाली का प्रयोग नेल की या वैद्युत अविनियम के बजाने के लिए नहीं किया जाएगा।

(झ) कोम किस्म के अविनियम का प्रयोग वैद्युत अविनियम के लिए नहीं किया जाएगा।

(ঞ) रमान्यों से मुक्त अविनियमों की, जो प्रबलित किए जाने पर बिलौली या उपायकर जैसों को छोड़ सकते हैं अवस्था या उपका प्रयोग भूमि के नीचे नहीं किया जाएगा;

परन्तु इस खंड की किसी बाल से यह नहीं समाचार जाएगा कि वह ऐसे अविनियमों का भूमि के नीचे प्रयोग प्रतिविद्ध कियी है, जो चन्द्र जले पर कार्बनडाइमोनाइड छोड़ते हैं:—

(ঝ) कोई सक्षम अविनियम प्रदेश माल में कम से कम एक बार ऐसे उपस्कर, समीकी या प्रबन्धों की पूरीका करेगा जिनकी अविनियम के लिए अवश्या की गई है। ऐसी प्रदेश परियोग की रिपोर्ट इस प्रबोजन के लिए रखी गई विवरण घूट पूर्ण संबंधाकिन तुम्हक में रखी जाएगी और परियोग करने वाले अविनियम द्वारा उन पर हस्ताक्षर करके तारीख डाली जाएगी। किसी ऐसी परियोग के दौरान, या अन्यथा कोई कमी पाई जाती है तो उसे तुम्हने दूर किया जाएगा।"

23. उक्त विनियमों के विनियम 122 में—

(i) उपविनियम (2) के स्थान पर निम्नलिखित उपविनियम रखा जाएगा, अवधि:—

"(2) किसी खाली बाल में विवार कोवना लियने वाली दृष्टि के द्वारा भूमि के नीचे विवृत खाली बाल में या भूमि के नीचे की खाल के किसी भाग में आग का पता लेने या आग के विद्युमात्र छोड़ने का विवरण किया जाएगा।"

(ক) विनियम 119 के उपविनियम (3) में अधिकारित पूर्वविनियमों के अवधिन रहने हुए अता को नियंत्रित करने, मुहूं बंद करने या विलमित करने के लिए पर्याप्त कदम उठाए जाएंगे; और

(ঝ) खণ्ड (ক) में अवेक्षित पूर्णविधानियों से नियंत्रण एसी खालों में कोई कार्य नहीं किया जाएगा जब तक कि, भूमि के नीचे का अवगताला धोत्र या दूषे हुए अता को नियंत्रित करने, जुड़ी आग का मुहूं बंद करने या विलमित करने के लिए पर्याप्त उपाय न नियंत्रण नहीं अवधिकारी विवृत खाल की दशा में, आग पर पर्याप्त स्थान से नियंत्रण न पा लिया गया हो।

(ঞ) उपविनियम (4) के खণ्ड (ক) में "भूमि के नीचे नवन" अवधि के वर्षात् "या गोक या पूर्णां खलियों के नियंत्रण धोत्र का यंत्र बंद करने" शब्द अवस्थापालित किया जाएगे।"

24. उक्त विनियमों के विनियम 127 में,—

(i) उपविनियम (1) उपविनियम (2) और उपविनियम (3) के के स्थान पर निम्नलिखित आविनियम रखे जाएँ, अर्थात्—

"(1) प्रत्येक खान में उसी खान या पार्श्वस्थ खान की छनियों से जब वे गीली हो जाएँ पानी या अन्य द्रव पदार्थ या अन्य आमत्री के फूट निकलने को रोकते के लिए, जिसके बहते की संभावना है, और पानी या अन्य द्रव पदार्थ के प्रवाह या निकलने के लिए, बोर छिद्र प्रवेशित करने समय दुर्घटनाओं को रोकते के लिये उल्लिखित रखा रखा जाएँगे।

(2) अहाँ निम्नलिखित में कार्य किया जा रहा है—

(क) (i) किसी अन्य सीम या सैकड़ा के नीचे कोई सीम या सैकड़ा; या

(ii) किसी सीम या सैकड़ा के नीचे के ऐसे स्थान में जो किसी निम्नतर सीम या सैकड़ा के किसी स्थान ने निम्नतर तल पर है; या

(iii) किसी सीम के, जो अंश के समीप है, जो किसी ऐसे उपविनियम सीम या सैकड़ा से होकर गुजरती है, जो पानी या अन्य द्रव पदार्थ के संचय में युक्त है, या हो सकता है, या विसी ऐसे अन्य द्रव पदार्थ से युक्त है, जिसके गीला होने की दशा में बहते की संभावना है, किसी स्थान में।

(क्ष) किसी जल पाने ग्नर में।

मध्ये इन्हीं सूचनाएँ, जिनके अन्तर्गत उपरवर्णित वस्त्रों की स्थिति विस्तार और गहराई सी है अन्तिम की जाएँगी और अभिलेख रखा जाएँगा तथा पानी या अन्य द्रव पदार्थ या विसी-अन्य सामग्री के फूट निकलने को रोकते के लिए, जो गीला होने की दशा में बहते हो कार्यकरण की एक स्थीम बनाई जाएँगी और उसे प्रभावी रूप में कार्यान्वयित किया जाएँगा।

(3) उपविनियम (1) और उपविनियम (2) की प्रवेशाओं पर प्रतिकूल प्रभाव डाले बिना, जब कोई अनियंत्रित किसी व्यक्तियोग या परिस्थित या अवधारणा अनियंत्रित से (जो ऐसी व्यक्तियों नहीं है जिनकी परीक्षा की जा चुकी है और जो पानी या अन्य द्रव पदार्थ या अन्य आमत्री के संचय से मुक्त पाई गई है, जिसका गीला होने पर ध्वनि व संभाव्य है) 60 मीटर की दूरी के अंदर तक पृष्ठुच जाएँ चाहे वे उसी खान में हों या किसी पार्श्वस्थ खान में हो, तब तक उसका और अन्य विस्तार मुख्य निरीक्षक की विविध में पूर्व अनुज्ञा और उन गती के अधीन हीं जो वह उसमें विनियिट करे, किया जाएँगा अन्यथा नहीं।

पर्याकरण: इस उपविनियम के प्रयोगन के लिए उक्त अनियंत्रित के रूप की दूरी से अधिकतम लंबाई, यद्योस्थिति, एक ही सीम की छनियों या किसी दो सीमों या सैकड़ों की सभी न्यूनतम दूरी, जहाँ वह किसी भी दशा में नापी जाए, अर्थात् चाहे थीतिज स्था से नापी जाए, या अध्याय 1 या आनन रूप में।"

(४) उपविनियम (6) के खंड (क) में सभी ऐसे बो छिद्र—
—होंगे "एव्वों के पश्चात्, "एक दूसरे के समाप्त पर्याप्त रूप में प्रवेशित यह सुनियित करते के लिए कि पानी या तरल पदार्थ या विसी अन्य आमत्री गाली अनियंत्रित में जब से गीली हो जाएँ तो उनका उनको फूट निकलना संभाव्य है," "अग्र पृष्ठ वृद्धिता रूप में प्रारंभ पार छिद्र नहीं होगा" अर्थात् स्थायित्व नियंत्रित जाएँगे।

25. उक्त विनियमों के विनियम 149 का लोग किया जाएँगा।

26. उक्त विनियमों के विनियम 194 के उपविनियम (1) में, 119 (2) अंकों और कोलक या अन्यान पर "118-क(3)(ग), 119 (2), 119(3)(क), 120(3) और 120(4)" अंक, अस्तर और कोलक रखे जाएँगे।

27. उक्त विनियमों के विनियम 204 में—

(i) पार्श्व शीर्षक के स्थान पर निम्नलिखित पार्श्व शीर्षक रखा जाएगा, अर्थात्—

(ii) उपविनियम (1) में "ममिनि को अवैद्या"

(क) उपविनियम (1) में अन्ते याने गव्वों "मुख्य निरीक्षक के नीचे विनियिट किसी आदेश के बिन्दु अवैद्या" के स्थान पर निम्नलिखित गव्व रखे जाएँगे, अर्थात्—"हन विनियमों के अधीन मुख्य निरीक्षक डारा किए गए किसी मुख्य आदेश के विस्तृ या मुख्य निरीक्षक डारा प्रवेशित निरीक्षक के आदेश के बिन्दु किसी अवैद्या पर विनियम 203 के अधीन पारित किसी आदेश के बिन्दु";

(घ) खंड (1) और (2) का लोग किया जाएँगा।

28. दूर्गा अनुसुन्धान में उक्त विनियमों के (विनियम 53 के अधीन) "मध्य और ग्रन्तियाँ" नाम के सामने विवरत प्रविधियों के स्थान पर निम्नलिखित रखा जाएगा, अर्थात्—

प्रतीक		विन्दु रेक्ट्रोमो
—	—	द्राय दृश्य
—	—	छनियों वा
—	—	कर्मेशन नहीं
—	—	किया गया
—	—	है और उनका
—	—	विस्तार शुद्ध
—	—	रूप से जात
—	—	नहीं है।

[मंदिरा एम-66012/1/86-एम.-1]
ग्राम.टी. पार्श्व, उप विनिय

MINISTRY OF LABOUR

New Delhi, the 15th July, 1988.

NOTIFICATION

G.S.R. 787 (E).—The following draft of certain regulations further to amend the Coal Mines Regulations, 1957, which the Central Government proposes to make, in exercise of the powers conferred by section 57 of the Mines Act, 1952 (35 of 1952), is hereby published as required by sub-section (1) of section 59 of the said Act, for information of all persons likely to be affected thereby, and notice is hereby

given that the said draft will be taken into consideration on the expiry of a period of three months from the date of publication of this notification in the Official Gazette.

Any objections or suggestions which may be received from any person with respect to the said draft before the period so specified will be considered by the Central Government.

DRAFT REGULATIONS

1. These regulations may be called the Coal Mines (Amendment) Regulations, 1988.

2. In regulation 2 of the Coal Mines Regulations, 1957, (hereinafter referred to as the said regulations), of the clause (34) the following clause shall be inserted, namely :—

"(34-A) "Working" means any excavation made or being made in a mine for search of or obtaining coal".

3. After sub-regulation (10) of the regulation 11 of the said regulations, the following proviso shall be inserted, namely :—

"Provided that if at any meeting there is no quorum as aforesaid, the meeting shall automatically stand adjourned to a date which is three days later or if that day is a public holiday, to the next working day and the time, place and agenda for the adjourned meeting shall remain unchanged. It shall thereupon be lawful to dispose of the business at such meeting irrespective of number of members attending".

4. In regulation 15 of the said regulations—

(i) for sub-regulation (2), the following sub-regulation shall be substituted, namely :—

"(32) No person shall be admitted as a candidate to any examination for Managers', Surveyor's, Overman's or Sirdar's Certificate unless he has passed the matriculation examination of a recognised university or its equivalent, and for an Engine Driver's or Shotfirer's Certificate unless he satisfies the Board that he is literate".

Provided that nothing in this sub-regulation shall be deemed to debar a person not satisfying the provisions thereof from being admitted at an examination for a Sirdar's Certificate on or before the 1st day of January, 1989, if he had been admitted at an examination for the said Certificate earlier.

(ii) sub-regulation (2A) shall be omitted.

5. For regulation 20 of the said regulations, the following regulation shall be substituted, namely :—

"20. Fees for grant of certificates—

(1) Fees on the following scale shall be paid in respect of every application for the grant of a certificate :—

(a) in the case of a First Class Manager's Certificate Rs. 100.00

- (b) in the case of a Second Class Manager's Certificate Rs. 75.00
- (c) in the case of a Surveyor's Certificate Rs. 50.00
- (d) in the case of an Overman's Certificate Rs. 50.00
- (e) in the case of a Sirdar's certificate Rs. 30.00
- (f) in the case of a I Class Engine Driver's Certificate Rs. 30.00
- (g) in the case of II Class Engine Driver's Certificate Rs. 25.00
- (h) in the case of a Short-firer's Certificate Rs. 25.00
- (i) in the case of Gas-testing Certificate Rs. 25.00
- (j) in the case of a Lamp Checker's Certificate Rs. 25.00

(2) The Chief Inspector may permit the refund of any fee paid under sub-regulation (1) where the candidate has died before the examination for grant of a certificate or where the fee has been erroneously paid.

(3) Except as aforesaid, fee paid for the grant of a certificate shall be refundable."

6. Regulation 25 of the said regulations shall be omitted.

7. In regulation 26 of the said regulations,

- (i) for the words "Suspension of an" occurring in the marginal heading, the words "Suspension of a Manager's, Surveyor's," shall be substituted; and
- (ii) for the words "holder of an" occurring in sub-regulations (1), the words "holder of a Manager's surveyor's" shall be substituted.

8. In regulation 31 of the said regulations, the second proviso to sub-regulation (2) and the words "or of Regulation 149," occurring in sub-regulation (3), shall be omitted.

9. After regulation 32 of the said regulations, the following regulation shall be inserted, namely :—

"32-A. Qualifications and appointment of Ventilation Officer—In every mine consisting of gassy seams of first degree, the average output of which exceeds 5,000 tonnes or of second or third degree the average output of which exceeds 2,500 tonnes, the manager shall be assisted in the work of supervising the maintenance of the ventilation system of the mine in accordance with the provisions of those regulations by a Ventilation Officer who shall be a person holding the following qualifications :—

- (a) in the case of a mine consisting of gassy seams of first degree and having an average output in excess of 15,000 tonnes or a mine consisting of gassy seams of second or third degree and having average output in excess of 10,000 tonnes, a Manager's Certificate;

(b) in every other case, a Manager's Certificate or a Degree, Diploma or Certificate in Mining or Mining Engineering approved for the purpose of the proviso to sub-regulation (1) of regulation 16.

Provided that, where special conditions exist, the regional inspector may, by an order in writing and subject to such conditions as he may specify therein, permit or require the appointment of a ventilation officer in variance of these provisions or require the appointment of such number of persons to assist the ventilation officer, as may be specified in the order :

Provided further that, in the case of a mine consisting of gassy seams of first degree and having an average output less than 15,000 tonnes, the regional inspector may, considering the nature and extent of workings therein, permit, by an order in writing and subject to such conditions as he may specify therein combining of the post of ventilation officer with that of safety officer appointed under regulation 31-A.

Explanation—For the purpose of this regulation the expression 'average output' means the average per month of the total output during the preceding year from the belowground workings of all seams. Where the mine consists of gassy seams of different degrees, the aforementioned average output shall be deemed to be from the seam or seams of the highest degree of gassiness".

10. After sub-regulation (1) of regulation 34 of the said regulations, the following sub-regulation shall be inserted, namely :—

"(1A) The mine or district assigned to an overman under sub-regulation (1) shall not be of such a size, nor shall any additional duties other than his duties under these regulations be such, as are likely to prevent him from carrying out in a thorough manner the duties prescribed for him under these regulations and in case any doubt arises as to the foregoing duties, it shall be referred to the Chief Inspector for decision."

11. In sub-regulation (8) of regulation 41 of the said regulations, the words "and a copy of every such entry together with a copy of the plan shall be furnished to the regional inspector within seven days of the accident" shall be inserted at the end.

12. In sub-regulation (2) of the regulation 41A of the said regulations, for the word "if" the words "Except in an emergency, no duties other than those specified above shall be assigned to the safety officer and whenever" shall be substituted.

13. In sub-regulation(2) of regulation 42A of the said regulations, for the word "if, the words" Except in an emergency, no duties other than those specified above shall be assigned to the ventilation officer and whenever" shall be substituted.

14. In clause (b) of sub-regulation (8) of regulation 43 of the said regulations, the following explanation shall be inserted namely :—

"Explanation—For the purpose of this sub-regulation, the expression "justifiable cause" shall relate only to the duties enumerated in this regulation."

15. In regulation 100 of the said regulations—

- (i) in sub-regulation (1), for the words "Chief Inspector", the words "regional inspector" shall be substituted;
- (ii) sub-regulation (4) shall be omitted;
- (iii) in sub-regulation (5) after the words, "as small an areas of uncollapsed roof as possible," the words, "with due regard to danger from an airblast or weighting on pillars" shall be inserted.

16. In regulation 103A of the said regulations.—

- (a) to sub-regulation(1), after the existing proviso the following proviso shall be inserted, namely :—

"Provided further that an entry made in the register or the absence of an entry therein as also a communication in pursuance with the aforesaid proviso or absence thereof shall not in any way limit the duties or obligations of a person under the Act or the regulations, rules, bye-laws or orders made thereunder."

- (b) for sub-regulation (2), the following sub-regulations shall be substituted, namely :—

"(2) When an entry is made in the register—

- (a) the owner, agent and manager shall each be deemed to know what is contained in that entry; and

- (b) a copy thereof shall be displayed within three days of the date of such entry on the notice board of the mine for not less than fifteen days".

- (c) after sub-regulation (3) the following sub-regulation shall be inserted, namely :—

(4) The register—

- (a) shall be kept available for inspection in the office of the mine for a period of at least three years after the date of making of the last entry in it; and

- (b) shall not be removed therefrom before the expiry of the aforesaid period, except by or with the approval in writing of the Regional Inspector".

17. In regulation 108 of the said regulations—

- (i) after clause (b) of sub-regulation (1), the following clause shall be inserted, namely :—

- (b) every development working within 10 metres of face and every junction of roadways immediately outbye of a development face;"

- (ii) for sub-regulations (2) and (3), the following sub-regulations shall be substituted namely :—

(2) The manager of every mine having workings below ground shall, before commencing any operation specified in sub-regulation (1) and also when required by the Regional Inspector, frame, with due

regard to the physico-mechanical properties of strata, local geological conditions, system of work and mechanisation, and past experience, and enforce Systematic support Rules specifying in relation to each working place the type and specifications of supports and the intervals between—

- (i) supports on roadways including places where machinery is used for cutting, conveying or loading;
- (ii) each row of props, roof bolts or other supports;
- (iii) adjacent rows of props, roof bolts or other supports;
- (iv) last row of supports and the face;
- (v) hydraulic chocks and powered supports; and
- (vi) the pack and the face;

Provided that, in respect of a mine where development operations are already in progress, the support rules in relation to the working places specified in clause (c) of sub-regulation (1) shall be framed and enforced within 15 days of the date of coming into force of this sub-regulation.

(3) The manager shall, at least 30 days before the commencement of any operation specified in sub-regulation (2) and subject to the proviso thereto submit a copy of the Systematic timbering rules to the Regional Inspector who may, at any time, by an order in writing, require such modification in the rules as he may specify therein."

- (iii) the words "framed and approved as aforesaid" and "other" occurring in sub-regulation (4) shall be omitted.
- (iv) After sub-regulation (5) the following sub-regulation shall be inserted, namely :—

6. "The manager shall formulate and implement a code of Standing Orders specifying—

- (a) the system and the organisation for procurement and supply of supports of suitable material, adequate strength and in sufficient quantity where these are readily available for use;
- (b) the method of handling including dismantling and assembling where necessary and transportation of the supports from the surface to the face and from the face line to their new site;
- (c) the system and the organisation for maintenance and checking of supports, dressing the roof and sides, erecting, examining and re-tightening of supports and re-recting dislodged supports, including the use of appropriate tools.
- (d) the panel of competent persons for engagement as substitutes in the event of a regular supportsman or dresser absenting from duty; and

(c) the manner of making all concerned persons such as, loaders, dressers, timberman, shortfirer, sirdars, overmen and assistant managers fully conversant with the systematic support rules and the nature of work to be performed by each in that behalf".

18. For regulation 109 of the said regulations the following regulation shall be substituted, namely :—

"109. Setting of supports—(1) (a) Every prop shall be set securely and on a sound fundation; and shall be kept tight against the roof.

(b) Where a prop is set on sand or other loose material, a flat-base piece not less than 5 centimetres in the thickness 25 centimetres in width and 0.75 metre in length shall be used.

(c) The lid used over a prop shall have a width not less than the diameter of the prop, a thickness not less than 8 centimetres and a length not less than 0.5 metre.

(2) Every bar set for supporting the roof of a roadway shall be set securely on props or on cogs or on steel clamps of suitable design and adequate strength, securely fixed on the sides of the roadway or in holes at least 0.5 metre deep made in the sides of the roadway and shall be made and kept tight against the roof. Where lagging is necessary, the number of laggings shall not be less than one for every metre length of the bar and the laggings shall be made and kept tight against the roof.

(3) (a) Every cog used as a support shall be well-built and set on the natural floor or on a secure foundation, and shall be made and kept tight, maintaining maximum possible contact against the roof.

(b) Only rectangular pieces shall be used as members of a cog, so however that, in case of timber it shall be sufficient to joggle two opposite sides.

(c) The cogging members shall be not less than 1.2 metres in length.

(d) Before erecting cogs in a depillaring area, props shall be erected at the corners of each cog.

(4) In inclined seams the supporting props and cogs shall be so set as to ensure maximum support having regard to the inclination of the seam or roadway and probable strata movement. Where necessary such supports shall be re-inforced to prevent displacement.

(5) Every ledge and every prominent crack or slip in the roof shall be kept supported with at least a pair of cogs or cross-bars suitably lagged.

(6) Overhanging sides shall be dressed down. Where this is not practicable, stay props or other suitable means of support shall be erected at intervals not exceeding one metre.

(7) Where sand or other material is stowed or a pack is formed for the purpose of support, it shall be packed or made as tight against the roof as practicable over its whole area.

(8). (a) Roof and sides and supports shall be tested as often as necessary; and except where it is no longer necessary for purposes of support, any support

loosened, broken or dislodged by or removed for any operation shall be tightened, replaced or reset with the least possible delay and particularly before persons are allowed to pass or resume work after an interruption. Where floor coal or roof coal is taken, shorter props shall be replaced with longer props.

(b) In every place wherein roof coal is taken or a fall of roof or sides has occurred, no work of clearing the dislodged coal or the fall or any part thereof shall be undertaken nor shall any person be allowed to pass, until the newly exposed roof and sides in the vicinity thereof have been examined, and made safe, if necessary, by temporary supports.

(9) Notwithstanding anything contained in sub-regulation (8) only such minimum number of persons may be engaged under the supervision of a sirdar or overman as may be necessary for securing the roof and sides thereof.

10. Where roof bolts are used for support, the bolts shall be securely fixed in place.

11. (a) Powered supports, hydraulic chocks or link-bars shall be advanced as soon as practicable after a web of coal has been taken off the face so as to ensure that the area of unsupported newly exposed roof is taken to a minimum.

(b) Powered supports, hydraulic chocks and props and friction props shall be set securely and checked from time to time. When any defect is detected in any powered support or hydraulic chock, the same shall be attended to as soon as possible and until then the roof at that place shall be kept effectively supported with conventional supports. Any defective hydraulic or friction prop shall be replaced immediately.

(c) Where, by reason of any irregularity in the roof, floor or sides or due to any other reasons, any powered support or hydraulic chock becomes ineffective, conventional supports in sufficient number shall be used.

(d) Additional supports shall be also erected for support of roof and sides on the face side of a face conveyor during any period it becomes necessary for persons to pass or work on the face side of the conveyor for whatever reason.

19. For regulation 110 of the said regulations, the following regulation shall be substituted, namely :—

"110. Withdrawal of supports—

(1) Whenever supports are to be withdrawn the withdrawal shall be done in accordance with the method which shall be specified in the Manager's Standing Orders. The standing order shall cover—

- (a) the supply and use of appropriate tools and safety contrivances;
- (b) the setting of extra supports to control the collapse of roof from which supports are being withdrawn;
- (c) the sequence of withdrawal of supports; withdrawal of a cog to precede withdrawal of its corner props;

- (d) safe positioning of the persons engaged in the operation;
- (e) training of competent persons who are entrusted with the operations; and
- (f) supervision during withdrawal of supports.

(2.) In case of powered supports, the order shall also specify the method of supports of the face line during the withdrawal operations."

20. In regulation 118A of the said regulations—

- (i) in sub-regulation (i) for the words "extraction of pillars" occurring in clauses (a) and (c) the words "extraction of coal", shall be substituted;
- (ii) in sub-regulation (3) shall be substituted for the words "goaved out area" occurring in clause (c) the words "goaved out areas and unused workings" shall be substituted;
- (iii) proviso to sub-regulation (4) shall be omitted.

21. For regulation 119 of the said regulations, the following regulation shall be inserted, namely :—

"119. Precautions after a fire has broken out—

(1) When any person detects smoke or any other sign indicating the presence of spontaneous heating or fire that may have broken out on any ground broken by extraction of coal or in any opencast working or in any part of a mine belowground, he shall immediately inform his superior official about the same.

(2) On the appearance, in any opencast working or on any ground broken by extraction of coal or in any part of a mine belowground, or any sign indicating that a fire or spontaneous heating has or may have broken out—

- (a) all persons other than those whose presence is deemed necessary for dealing with the fire or heating shall be immediately withdrawn from the opencast working or the workings belowground and such parts of the surface, where they may be endangered by fire, smoke or ejected hot material;
- (b) adequate steps shall be taken without delay, to extinguish and dig out the fire or heated material or to control and seal-off or isolate the fire or heating to prevent the spread thereof; and
- (c) in the case of a fire or heating belowground, the emergency plan prepared under regulation 199A shall be immediately put into action.

(3) During the whole time that any work of dealing with or sealing-off or blanketing or isolating a fire or heating is in progress—

- (a) a competent person shall be present on the spot throughout;

(b) adequate precautions shall be taken to prevent danger to persons from any noxious, asphyxiating or inflammable gases; flame steam and ejected or rolling down hot ashes and material, explosion of water gas and falling into crevices or pot holes that may occur in the area on fire;

(c) while dealing with fire or heating with the aid of heavy machinery, a probe, or a crane with dropping weight or any other suitable means shall be used in proving areas of doubtful stability and when excavating any area of known or suspected to contain voids, dragline or drag-scaper shall be used in preference to the equipment running over suspect ground. In every equipment used in dealing with fire, proper allowance shall be made to the effect of heat;

(d) in the case of a fire or heating belowground,

(i) all accessible roadways continuous to the seat of fire or heating shall be treated with incombustible dust or in some other way designed to prevent the spread of fire; and

(ii) there shall be kept available at or near the place, adequate number of self rescuer and at least two smoke helmets or other suitable apparatus for use in emergency, a cage containing suitable birds or other means of detecting carbon monoxide gas approved by the Chief Inspector; and a flame safety lamp or other means of detecting carbon dioxide gas approved by the Chief Inspector.

(4) (a) No person other than those required for dealing with or sealing off or isolating the fire or heating shall be re-admitted in the opencast working or in the mine below ground or on any part of the surface area in vicinity of the fire until the fire or heating has been extinguished or sealed off or otherwise effectively controlled and an examination has been made by the manager or by the under manager or assistant manager, and the mine has been declared to be safe. A report of every such examination shall be recorded in a boundpaged book kept for the purpose and signed and dated by the person making the examination :

Provided that the Regional Inspector may, by an order in writing and subject to such conditions as he may specify therein, permit the employment in the opencast working or in any part of the mine belowground, of persons other than those required to deal with the fire or heating.

(b) the examination required by clause (a) shall be made with approved flame safety lamp and a cage containing suitable birds or other means of detecting carbon monoxide gas approved by the Chief Inspector.

(5) The manager of every mine shall prepare, and establish a detailed scheme for the provision and maintenance of suitable fire-fighting arrangements, for the prevention, detection, dealing and control of

any heating or fire, for the examination and maintenance of the protective measures taken to control or isolate a fire or heating and for ensuring safety of persons engaged in the said operations. The scheme shall be suitably modified and kept up dated as the situation warrants.

(6) Where in any mine or part thereof the provisions of clause (b) of sub-rule (2) above have not been complied with, or where in the opinion of the regional inspector the steps so taken are inadequate, he may give notice in writing to the owner, agent or manager, requiring him to take such protective measures, within such time, as he may specify thereto. In the case of non-compliance with the requirements of the notice, the regional inspector may, by an order in writing, prohibit until the requirements of the notice have been complied with, the employment in the mine or part, of any person whose employment in his opinion is not necessary for the purpose of complying with the requirements aforesaid."

22. For regulation 120 of the said regulations, the following regulation shall be substituted, namely :—

"120. Equipment and organisation for fire-fighting (1) In every opencast or underground mine—

(a) unless expressly exempted in writing by the regional inspector, water mains of metallic construction throughout and fitted with an adequate number of taps, not more than 100 metres apart and capable of delivering to all working places and all other places of fire risk including coal stocks, spoil heaps containing carbonaceous material, exposed coal surfaces liable to heating etc. an adequate quantity of water at sufficient pressure for the purpose of efficient fire fighting shall be provided and kept maintained. Hosepipes not less than 60 metres in length, with necessary standardised fittings shall also be kept readily available at suitable places;

(b) fire stations with a suitable supply of fire-fighting equipment shall be established and kept maintained at convenient point, both on surface and belowground; and

(c) sufficient supply of sand or incombustible dust or suitable portable fire extinguishers shall be provided at—

(i) every entrance to a mine and at every landing and shaft bottom in use;

(ii) every place where timber, grease, oil or other inflammable material is stored;

(iii) every engine room, electrical gear, driving unit of roadway conveyor, diesel maintenance workshop and filing station, storage battery charging station;

(iv) every coal-getting machine and heading machine, provided that, where the risk of frictional ignition is high, the fire extinguishers provided with such machines shall be automatically operated and

- (v) such other special places of fire risk as may be specified by the manager.
- (d) an up-to-date fire-fighting plan showing the water mains, taps, fire-stations, pumping stations, ventilation system, escape routes etc. shall be kept maintained and a copy thereof posted in the mine office and at convenient places belowground. Adequate number of persons shall be also trained in the use of fire-extinguishers and in fire-fighting. All such persons shall be made familiar with the positions of all fire-fighting equipment provided in the mine.

(2) (a) Soda-acid type extinguishers or water shall not be used for fighting oil or electrical fires.

(b) Foam type extinguishers shall not be used for fighting electrical fires.

(c) Fire-extinguishers containing chemicals which are liable, when operated, to give off poisonous or noxious gases, shall not be provided or used below-ground;

Provided that nothing in this clause shall be deemed to prohibit the use belowground of fire-extinguishers giving off carbon dioxide when operated.

(3) A competent person shall, once at least in every month, examine all the equipment, material and arrangements provided for fire-fighting. A report of every such examination shall be made in a bound-paged book kept for the purpose and shall be signed and dated by the person making the examination. Any deficiency found during any such examination or otherwise shall be immediately remedied."

23: In regulation 122 of the said regulations —

- (i) for sub-regulation (2) the following sub-regulation shall be substituted namely :—

"(2) In any working mine, in which fire is known or believed to exist on any ground broken by extraction of coal or in any opencast working or in any part of the mine belowground —

- (a) adequate steps shall be taken, subject to the precautions laid down in sub-regulation (3) of regulation 119, to control, seal-off or isolate the fire; and
- (b) no work other than the precautions required by clause (a) shall be done in any part of such mine unless, the area on fire belowground or connected with fire on surface through broken strata is effectively sealed off from the remaining parts of the mine and adequate steps have been taken and kept maintained to prevent the passage of air from the surface into the fire area through any broken strata and in the case of opencast working, the fire is adequately controlled.

(i) in sub-regulation (4) in clause (a) after the words "heating belowground" the words "or to seal off goaf or an area of old workings" shall be inserted,

24. In regulation 127 of (1) the said regulations (i) for sub-regulations (1) (2) and (3) the following sub-regulations shall be substituted, namely :—

"(1) Proper provision shall be made in every mine to prevent irruption of water or other liquid matter or any material that is likely to flow when wet from the workings of the same mine or of an adjoining mine and to prevent accidents while drilling bore holes for probe or release or a body of water or other liquid matter.

(2) Where work is being done in —

- (a) (i) any seam or section below another seam or section ; or
(ii) any place in a seam or section, which is at a lower level than any other place in a lower seam or section ; or
(iii) any place in a seam approaching a fault passing through an upper seam or section, which contains or may contain an accumulation of water or other liquid matter or any material that is likely to flow when wet ; or

(b) any water-bearing strata,

all useful information including the position, extent and depth of the abovementioned features shall be acquired and kept recorded and a scheme of working designed to prevent irruption of water or other liquid matter or any material which flows when wet shall be prepared and put into operation.

(3) Without prejudice to the requirements of sub-regulation (1) and sub regulation (2), no working which has approached within a distance of 60 metres of any other working, whether disused or abandoned or otherwise (not being the working which has been physically examined and found to be free from accumulation of water or other liquid matter or any material that is likely to flow when wet) and whether in the same mine or in an adjoining mine, shall be extended further except with the prior permission in writing of the Chief Inspector and subject to such conditions as he may specify therein.

Explanation — For the purpose of this sub-regulation, the distance between the said workings shall mean the shortest distance between the workings of the same seam or between any two seams or sections, as the case may be, measured in any direction whether horizontal, vertical or inclined". (ii) in clause (a) of sub-regulation (6) after the words "All such bore holes shall be", the words, "drilled sufficiently close to each other to ensure that the advancing face will not accidentally hole through into a working containing water or liquid matter or any material that is likely to flow when wet and shall be" inserted.

25. Regulation 149 of the said regulations shall be omitted.

26. In sub-regulation (1) of regulation 194 of the said regulations, for the figures and brackets, 119(2), the words, figures and brackets, "118-A(3)(c), 119(2), 119(3) (a), 120(3) and 120(4)" shall be substituted.

27. In regulation 204 of the said regulations :—

(i) for the marginal heading, the following marginal heading shall be substituted namely :—

(ii) in sub-regulation (1) "Appeals to the Committee.—"

(a) for the words "Against any order of the Chief Inspector specified below", occurring in sub-regulation (1)", the following words shall be substituted, namely :—

"Against any original order made by the Chief Inspector under any of these regulations or against any order passed under regulation 203, by the Chief Inspector on an appeal against regional inspector's order".

(b) clauses (i) and (ii) shall be omitted.

28. In the Second Schedule (under regulation 58) of the said regulations against the NAME, 'PILLARS AND GALLERIES" for the existing entries, the following shall be substituted namely :—

SYMBOL	REMARKS
	Workings shown by Dotted Lines are not Surveyed and their Extent is not correctly known"

[No. S. 66012/1/86-M. 1]

R. T. PANDEY, Dy. Secy.